RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

# पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 44 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 7 अप्रैल 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

## खीनापानी में होगा वार्षिकोत्सव

# लला जसुसी शौक्याणी की यादों के साथ धरोहर बचाने का संकल्प, सुयालबाड़ी में तैयारी

**कार्यालय प्रतिनिधि**

नैनीताल। महान दानवीरांगना जसुली बूढ़ी शौक्याणी की धरोहरों को बचाने के संकल्प के साथ 27 अप्रैल 2025 को जसुली बूढ़ी सोक्यानी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति का वार्षिकोत्सव होने जा रहा है। भवाली अल्मोड़ा हाईवे पर सुयालबाड़ी क्षेत्र के खीनापानी स्थित प्राचीन धर्मशाला क्षेत्र में यह आयोजन हो रहा है। आयोजन को लेकर समिति के लोग तैयारी में जुटे हैं।

इस बार समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से बहुत उम्मीदें हैं कि वह जीर्णक्षीर्ण हो चुकी प्राचीन धर्मशालाओं को संवारने व इन पर हो रहे कब्जों को हटाने के लिये ठोस कार्रवाई के निर्देश देंगे। बताते चलें कि शासन के निर्देशों पर लला जसुली की प्राचीन धरोहरों को संवारा जा रहा है। खीनापानी स्थित प्राचीन धर्मशाला का स्वरूप भी सुन्दरीकरण के बाद निखर चुका है। इसके लिये नैनीताल के डीएम रहे धीराज गर्ब्याल को याद किया जाता है। कमिश्नर अरविन्द सिंह हयांकी के सद्प्रयासों को भी लोग याद करते हैं। इस कार्य में जुड़े तमाम लोगों को वार्षिकोत्सव के अवसर पर आमंत्रित किया जा रहा है। अभी तक प्रस्तावित रूपरेखा के अनुसार 27 अप्रैल को होने वाले आयोजन में परम्परागत तरीके को अपनाया जायेगा ताकि अपनी संस्कृति की झलक भी दिखाई दे। अतिथियों के आगमन पर उनका स्वागत और दीप प्रज्जवन के बाद मांगल गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। संरक्षक द्वारा स्वागत भाषण के बाद ललित जोशी द्वारा लला जसुली की धर्मशालाओं से सम्बन्धित जानकारी दी जायेगी। इस कार्य में लगे सह संयोजक नरसिंह दताल के सम्बोधन के उपरान्त मुख्यअतिथि से इन प्राचीन ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने का निवेदन किया जायेगा। पर्यटन मंत्री के अभिभाषण के बाद द्वितीय चरण में समस्त बिन्दुओं पर परिचर्चा होगी। जसुली बंशज फली सिंह दताल ने सभी से इसे पुनीत कार्य में जुटकर समिति के प्रथम वार्षिकोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। कहा कि विमर्श के बाद शेष कब्जे वाली धर्मशालाओं को भी बचाना होगा।

# देवभूमि में चैत्र नवरात्रि का उल्लास

## मेले, उत्सव, यात्रा, कथा, प्रवचन, भागवत, भण्डारा

रानीबाग चित्रशिला घाट स्थित मंदिर

गंगोलीहाट का महाकाली दरबार

चैत्र नवरात्र पर देवभूमि उत्तराखण्ड में उल्लास बना हुआ है। 'भिटौली' की परम्परा के अलावा भागवत, कथा, प्रवचन के आयोजन चारों ओर हो रहे हैं। कुमाऊँ गढ़वाल के देवालयों में भक्तों की भीड़ है और भण्डारे करवाए जा रहे हैं। चारधाम यात्रा की तैयारियां अन्तिम चरण में हैं। पूर्णागिरी मेले में बड़ी संख्या में जत्थों का आगमन हो चुका है। काशीपुर में चैती मेले की उमंग है। हाटकालिका, गोलज्यू, बागनाथ, चित्र शिला सहित सभी जगह पूजन जारी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

# देवभूमि उद्यमिता का सच पता होना चाहिये

**उत्तराखण्ड के महाविद्यालयों में देवभूमि उद्यमिता के नाम पर छात्र-छात्राओं को जागरूक करने का नारा अच्छी बात है और इससे सभी को जिज्ञासा भी है लेकिन 'देवभूमि उद्यमिता' के इस पूरे मामले की सच्चाई बहुत कड़वी है। बच्चे पठन-पाठन के अलावा कालेजों में ऐसा-वैसा करने के इच्छुक नहीं हैं। आयोजन के नाम आने वाले बेहिसाब रुपये का समायोजन बहुत ही सुनियोजित तरीके से कर दिया जाता है लेकिन इसके परिणाम शून्य कहे जाएंगे। भले ही कोई कितनी पीठ थपथपा ले।**

**दरअसल उच्चशिक्षा विभाग में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत सीड फंड पाने का सुनहरा अवसर दिया गया। स्टार्टअप, बूटकैम्प और उद्यमिता विकास के इस आयोजन में नि:शुल्क प्रशिक्षण का मौका है। योजना तो भली है लेकिन जब इसके परिणाम कागज में ही दिखाई दें और यथार्थ में गोलमोल तो सवाल उठ सकते हैं।**

**देवभूमि उद्यमिता का यह पाठ पिछली बार शुरू हो गया था और इसके लिये कुछ कालेजों को विशेष दर्जे का मान लिया गया लेकिन सच्चाई यह है कि इस बार जब विद्यार्थियों से कार्यशाला के लिये पंजीकरण करवाने को कहा गया तो वह तैयार नहीं हुए, ऐसे में में जबरन पंजीकरण करवाने और हाथ पकड़-पकड़ कर रजिस्टर्ड करने की बात कही जा रही है। विद्यार्थी समझ चुके हैं कि वह जिस लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहते हैं, वह इस प्रकार के आयोजनों में उलझ कर रह गये हैं। कालेजों में जिन्हें यह प्रभार मिलते हैं वह इन्हें किसी भी तरह निपटाने और धनराशि का समायोजन करने का इन्तजाम करने लगते हैं। इस सच्चाई को सरकार ने समझना चाहिये। सेमेस्टर की पढ़ाई में उलझे विद्यार्थियों की कालेज में संख्या में बहुत न्यून है, ऐसे में गिनती भर के छात्र-छात्राओं को लेकर फोटो खिंचवाने का आयोजन कालेजों के लिये मजबूरी सा हो गया है। ऊपर से यदि कोई लोभ का मारा हो तो वह उपलब्ध धनराशि के ठिकाने लगा सकता है।**

**देवभूमि उद्यमिता के पीछे की भली मंशा को समझना होगा ताकि इसकी आड़ में खानापूर्ति न हो और यदि कोई घपलेबाजी करता है तो वह भी बेनकाब हो।**

## देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

### पीओके से अवैध कब्जा हटाए पाकिस्तान

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के क्षेत्र पर अवैध रूप से कब्जा जारी रखे हुए है, जो उसे खाली करना होगा। ये टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने यूएनएससी की खुली बहस में की।

### सीमा प्रबंधन और मानसरोवर यात्रा पर चर्चा

नई दिल्ली। भारत एवं चीन के राजनयिकों ने बीजिंग में सीमा पर नदियों के डाटा के आदान-प्रदान और कैलास मानसरोवर यात्रा की शीघ्र बहाली सहित सीमा प्रबन्धन को आगे बहाली सहित सीमा प्रबन्धन को आगे बढ़ाने के लिये विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया।

### भारत के चुनाव की तारीफ और नियम बदले

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका चुनाव प्रणाली में अमूलचूल परिवर्तन के लिए अपने कार्यकारी आदेश में भारत और ब्राजील का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों देश मतदाता पहचान को बायोमेट्रिक डेटाबेस से जोड़ रहे हैं, जबकि अमेरिका नागरिकता के लिए स्व-सत्यापन पर निर्भर है।

### प्राचीन स्मारकों का जीर्णोद्धार किया गया

काबुल। अफगानिस्तान में पिछले तीन वर्षों में 40 ऐतिहासिक स्मारकों और सुविधाओं का जीर्णोद्धार किया गया है। अफगान अन्तरिम सरकार के सूचना और संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता खबीब गुपुरान ने यह जानकारी दी और कहा कि विनाश के कगार पर पहुंच चुकी इन ऐतिहासिक स्मारकों को सात प्रान्तों में बहाल किया गया है।

### बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस साझा इतिहास

नई दिल्ली। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और पड़ोसी देश के लोगों को उनके स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दिन हमारे साझा इतिहास और बलिदानों का प्रमाण है।

### बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता रिहा हों

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान से अपील की है कि वह बलूचिस्तान के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को रिहा करें।

## फसक

# दाज्यू, सटर-पटर से ही दुनिया बेकाबू हो रही ठैरी

## चमाड़े भले ही लग जाएं लेकिन टाई-टोप का जलवा रहता है बल

दाज्यू, अपणी सरकार ने बिहार महोत्सव का आयोजन का समरसता का नारा लगाना चाहा लेकिन पहाड़ी आर्मी वाले नाराज हो गये। कह रहे हैं- 'भिटौली का महीना है, सरकार दूसरे प्रदेशों में भिटौली का आयोजन करवाए। बिहार में चुनाव देखते हुए उत्तराखण्ड में नया तमाशा हो रहा है।' दाज्यू, हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है क्योंकि पिछले सात-साठ सालों से जितनी सटर-पटर शहर में होने लगी है वह गदरगोल ही है। दाज्यू, सटर-पटर से ही दुनिया बेकाबू हो रही ठैरी। जिसको जो समझ आए लट्ठ लेकर पिल पड़ रहा है। भगवान जाने क्या होने वाला है।

अपने सीएम धामी ज्यू कह रहे हैं- 'सर्वश्रेष्ठ राज्य बनने तक चैन से नहीं बैठूंगा।' उधर बलोनी ज्यू को लेकर एक धड़ा स्वेटर बुनना चाह रहा है बल। वैसे मोदी ज्यू ने जब से घाम तापने की बात कही है, हम नियमित ताप रहे हैं। और रखा ही क्या है अब.....। इस सटर-पटर की दुनिया में दूर बैठकर घाम ही सुकून है। गर्मी के दिन आ चुके हैं, कुकुर-बिराऊ के साथ पेड़ की छांव में बैठे रहेंगे। बीरु और नीलेश को मोबाइल चलाने के अलावा फुर्सत ही नहीं है। कह रहे हैं- 'ऑनलाइन खेल भी चल रहा है। दो का चार बनाने वाला गेम भी है। दाज्यू, अपने फुर्की दा के अस्तीपंजर ढीले हो चुके हैं और डांस में जोर है। कह रहे थे- 'अब कुछ नहीं होता लेकिन अंगाव लगाने को मन करता है।' दाज्यू, मन लगना जरूरी है।

शहर के पटरी पार वाले कालेज में बहुत उधम मचा हुआ है। प्यारेलाल बता रहे हैं- 'मिस्टर जैकब के घोटालों की जांच पूरी नहीं हो पा रही है। आजकल गले में नाड़ा लटका कर परेड कर रहे हैं। पूछने पर कहते हैं उत्तर से दक्षिण तक सिस्टम को लपेट दूंगा। गाजर का हलुवा और पपीते की भुजिया खानी शुरू कर दी है।' दाज्यू, अब क्या ही कहा जाए। चमाड़े भले ही लग जाएं लेकिन टाई-टोप का जलबा रहता है बल। बेशर्म बनने के लिये चमड़ी का मोटा होना बहुत जरूरी है। किच्छा में नौकरी के बहाने युवती को देह व्यापार में धकेल दिया। दो महिलाओं ने युवती की गरीबी का फायदा उठाते हुए उसे स्वरोजगार से जोड़ने की बात कही थी बल। दाज्यू, हमें तो डर लगता है कि मिस्टर जैकब भी.....। आजकल नये नये तरीके ढूंढ रहा है वह और युवतियों को स्टार्टअप, बुसप, कैचप, इग्नोर, गुड चट... और भी पता नहीं क्या कहता रहता है बल। जब मुठभेड़ हो तभी मामले खुलने वाले ठैरे। सितारगंज में स्मैक तस्करी का आरोपी मुठभेड़ में ही दबोचा गया है।

दाज्यू, नानकमत्ता साहिब के डेरा में तरसेम सिंह हत्याकाण्ड का मुख्य आरोपी भाग रहा था, उसके पैरों पर गोली लगी और धरा गया बल। दाज्यू, ये सुपारी लेने वाले, भागने वाले, धरे जाने वाले बड़े विचित्र होने वाले ठैरे। दाज्यू, गोपी कह रहा है- 'यूसीसी वाला चक्कर समझ नहीं आ रहा है। 2010 के बाद विवाह वाले ऑनलाइन पंजीकरण करने हैं। जब करने लगे तो उसमें कई दिन लग गये लेकिन अभी तक नहीं हुआ है। तहसील से प्रमाण पत्र तो पहले ही बना लिया था।' दाज्यू, सरकार पता नहीं क्यों फतोड़ा फतोड़ कर रही है। उधर ऋषिकेश एम्स में घोटाले की जांच के लिये एक बार फिर सीबीआई पहुंच गई। वर्ष 2018-19 में मशीन खरीद में घोटाला हुआ है बल।

पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा कह रहे हैं- 'सरकार खनन और शराब माफिया को बढ़ावा दे रही है।' दाज्यू, जो विपक्ष में होता है वह खनन और शराब माफिया की बात करता है, सत्ता में आते ही घुप्प हो जाने वाला ठैरा। आखिर शराब और खनन के कितने माफिया हो गये हैं। इनकी सूची बनानी चाहिये। दाज्यू, अल्मोड़ा के कसारदेवी में गधोली में अवैध कब्जे को लेकर पक्षों में मारपीट हुई है, देख लेना। -तुम्हारा भुली झकरुवा

# देवीधुरा में स्वाभिमान मोर्चा की चिन्तन गोष्ठी

## पर्वतीय संस्कृति और राज्य के वजूद को बचाए रखना जरूरी

चम्पावत। पाटी ब्लाक के देवीधुरा में उत्तराखण्ड स्वाभिमान मोर्चा ने चिन्तन गोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें विभिन्न जिलों से पहुँचे वक्ताओं ने प्रदेश की समस्याओं पर मंथन करते हुए कहा कि पहाड़ की संस्कृति और पहाड़ को बचाने के लिये एकजुट होने की जरूरत है।

आयोजन के संयोजक दीपक सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में में हुए कार्यक्रम में पूर्व सैनिक हरदेव सिंह ने स्वाभिमान मोर्चा के सहयोगी बनकर नए विकल्प को तलाशने की बात कही। त्रिलोक सिंह चौहान ने गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के लोगों को बांटा जा रहा है ताकि कोई विकास की बात न कर सके। भूपेन्द्र सिंह कोरंगा ने सशक्त भूकानून की जरूरत के साथ हालिया कानून में कमियों को गिनाया।

चिन्तन गोष्ठी में दिनेश चन्द्र, मोहित डिमरी, सोहित, भरत सिंह, दीपक चन्याल, ललित पाटनी, सौरभ बिष्ट, सुनील जोशी, दीपक बिष्ट, नर राम विश्वकर्मा, हयात मेहरा, दलीप सिंह, प्रकाश मेहरा, विनोद जोशी, गिरीश सिंगवाल, उमेद मेहता, विमल बिष्ट, पंकज जोशी, भूपाल बिष्ट, रंजीत चम्याल, विपिन जोशी आदि मौजूद थे।

# लिपुलेख दर्रे से भारत-चीन व्यापार शुरू करने की मांग

## दिल्ली में राज्यमंत्री से सांसद के साथ व्यापारियों ने भेंट की

धारचूला। भारत-चीन व्यापार समिति के पदाधिकारियों ने दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में केन्द्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से भेंट कर लिपुलेख दर्रे से बन्द व्यापार को फिर संचालित करने की मांग उठाई।

केन्द्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा के नेतृत्व में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में केन्द्रीय राज्यमंत्री से मिले व्यापारियों ने बताया कि उत्तराखण्ड के लिपुलेख दर्रे से होने वाला भारत-चीन व्यापार कोरोना काल से बन्द चल रहा है। उन्होंने बताया कि व्यापार वर्ष 1992 से प्रत्येक वर्ष जून से शुरू होकर अक्टूबर तक नियमित रूप से चल रहा था। वर्ष 2019 के बाद कोरोना महामारी के चलते व्यापार पूरी तरह से बन्द है। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय व्यापारियों का सामना चीन की मण्डी तकलाकोट में छूट गया। साथ ही एकमात्र आजीविका का साधन बन्द होने से व्यापारियों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। कहा कि अब कोरोना महामारी समाप्त हो गई है और सीमान्त क्षेत्र में कैलास मानसरोवर यात्रा भी इस वर्ष शुरू हो रही है।

व्यापारियों ने यात्रा के साथ व्यापार को भी शुरू किये जाने की मांग की। मंत्री से भेंट करने वालों में समिति के महासचिव दौलत सिंह रायपा, रतन रायपा और गणेश सिंह ह्यांकी शामिल थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

# संकट में हैं नौले-धारे

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

जल अत्यन्त महत्वपूर्ण और अपर्याप्त प्राकृतिक संसाधनों में से एक है, जो जीवन, जीवकोपार्जन, कृषि, चिरस्थायी सामाजिक विकास के साथ-साथ पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय सन्तुलन बनाए रखने के लिये अति आवश्यक है।

पिथौरागढ़ का पुरातन नाम सोर था। सोर का अर्थ स्थानीय स्तर पर सरोवर से निकाला जाता है। आज भी पिथौरागढ़ नगर की ड्रेनेज व्यवस्था प्राकृतिक है। नगर के निचले हिस्से में तीन नाले बहते हैं। एतिहासिक तथ्यों के अनुसार उक्त प्राकृतिक ड्रेनेज सिस्टम सदियों पूर्व यहाँ मौजूद सरोवर के चलते है। शताब्दियों पूर्व सरोवर होने के कारण सोर वर्तमान पिथौरागढ़ में जल स्रोतों की संख्या काफी अधिक थी। जिला बनने से पूर्व यहाँ की जनता इन स्रोतों नौलों-धारों पर निर्भर थी। वर्तमान में भी बचेखुचे नौलों-धारों पर नगर की 25 फीसद आबादी आश्रित है। पिथौरागढ़ के पर्वतीय क्षेत्र होने से यहाँ पर बड़े तालाब नहीं हैं। छोटे-छोटे नौले (पोखर), धारे व गधेरे हैं। जिनका अस्तित्व वर्तमान में पूरी तरह खतरे में है। नगर व इसके आसपास में तीन दशक तक मौजूद अधिकांश नौले और धारे सूख चुके हैं। कुछ पोखरों का जल प्रदूषित हो चुका है। बामुश्किल
बचे इन नौलों और धारों का भविष्य भी अब अधिक समय तक नहीं है। नगर के फैलाव के साथ ही नौले धारे
सिमटते गए। जिन स्थानों पर मौजूद नौलों-धारों का पानी लोग पीते थे उन स्थानों पर अब कई मंजिला मकान बन चुके हैं।

पानी वाले स्थानों पर सड़कें बनी हैं और अभी भी इस तरह का निर्माण जारी है। पहाड़ के गाँवों में पलायन के कारण नौलों का अस्तित्व मिट रहा है। शहरों में जो नौले थे भी तो वह प्रदूषित हो गए हैं। दुल्हन जब पहली बार ससुराल में कदम रखती थी। उसके स्वागत के बाद उसे नौला (बावड़ी) में ले जाया था। एक टोकरी में गाँव की महिलाएं फल, फूल, अक्षत, दुल्हन और दूल्हे के हाथ में बंधा कंकण लेकर जाते। यह सब नौले के पास अर्पित कर दी जाती। वहाँ नाच गाना होता। दुल्हन को नौले का रास्ता दिखाना भी इस परम्परा का उद्देश्य रहता था। अब तो शादी किसी होटल, बारातघर में होती है। वहीं से दुल्हन को ससुराल की राह पकड़नी पड़ती है। लोग अब पेयजल के लिए नौलों पर निर्भर नहीं हैं। हर घर के पास या फिर घर के भीतर नलों के कनेक्शन हैं। ऐसे में न तो नौले की जरूरत रहती है और न विवाह के बाद इसकी कोई अनिवार्यता रह गई है। यहाँ तक कि गाँवों में भी नौला सिवाने की प्रथा समाप्त होने लगी है। विवाह की बदलती परम्परा में जो चीजें लुप्त हो रही हैं नौले हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रहे हैं। यह जीवन का आधार थे और जीवन जीने की प्रेरणा भी देते थे। आने वाले समय में नई पीढ़ी न तो
नौलों के बारे में जानकारी रख पाएगी और न उसे विवाह के बाद होने वाली नौल सिवाने की परम्परा का ही पता रहेगा। यदि आने वाले समय में शहर इस समस्या से बाहर निकलना चाहता है तो इसका हल जनसहभागिता से ही निकल सकता है। जनसहभागिता से ही हालात में बदलाव आ सकता है। सरकारी परियोजनाएं एक हजार करोड़ की भी आ जाएं तो इस समस्या से बाहर नहीं आ सकते। समाधान के लिए पानी के प्रति समाज में जागृति का आना जरूरी है। पानी का मोल जब तक शहरों नहीं समझेगा और पानी की गुणवत्ता को लेकर वह जागरूक नहीं होगा, तब तक उसे इस बात की समझ नहीं होगी कि पानी से जुड़ी सभी बीमारियों के जड़ में प्रदूषित पानी है। और इससे बचाव के लिए परिवेश को साफ रखना होगा।

पानी की सफाई के संकल्प से पहले पूरे जनसहभागिता को मन की सफाई करनी होगी। मन का मैल साफ करना होगा। वहाँ मैल होगा तो असर नौलो और धारों की पानी में भी सफ दिखेगा। इस पूरी प्रक्रिया में सरकार की भूमिका नेतृत्व की नहीं बल्कि एक सहयोगी की होनी चाहिए। 2022 तक हर घर में नल और हर नल में जल की परिकल्पना को साकार करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर में नल और हर नल में जल है। उन्होंने कहा कि मिशन तभी सार्थक होगा, जब हर नल में पानी होगा। यदि हिमालयी क्षेत्रों में भीजल के प्रति श्रद्धा और पवित्रता की भावना को समाज में फिर से स्थापित करने की ईमानदार कोशिश की जाए तो जलग्रहण क्षेत्रों को बचाना आसान हो सकता है। मूल में पानी को महज एक संसाधन भर समझने की उपभोक्तावादी मानसिकता कहीं भी नहीं थी। जल के साथ जीवन की, समृद्धि की, सम्पूर्णता और श्रद्धा की भावना जुड़ी थी। दरअसलए नौलों और गधेरों के जलस्रोतों के साथ हमारे उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति और लोक साहित्य के गहरे सांस्कृतिक स्रोत भी जुड़े हुए हैं। वर्तमान हालात में नौलों और जलधारों के सूखने का मतलब है एक जीवन्त पर्वतीय जल संस्कृति का लुप्त हो जाना। इसलिए जल की समस्या महज एक उपभोक्तावादी समस्या नहीं बल्कि जल, जमीन और जंगलों के संरक्षण से जुड़ी एक पर्यावरणवादी समस्या भी है। हम यदि अपनी देवभूमि को हरित क्रान्ति से जोड़ना चाहते हैं तो हमें अपने पुराने नौलों, धारों, खालों, तालों आदि जल संचयन के संसाधनों को पुर्नजीवित करना होगा। पारम्परिक जलस्रोत यथा नोले, धारे, चाल, खाल बचाने की मुहिम जलसंचेतना की दिशा में अच्छी पहल है। आज आवश्यकता है चीड़ के स्थान पर चौड़ी पत्तियों वाले बाँज, बुरांश, उतीस आदि वृक्षों को लगाए जाने की ताकि भूमिगत जल रिचार्ज हो सके। प्रदेश शासन को इस मुहिम में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। जल समस्या का सबसे बड़ा समाधान है।

## 32वां उमेश डोभाल स्मृति समारोह

# रवांल्टा, समीर, हर्ष सम्मानित

पौड़ी। जुझारू पत्रकार शहीद उमेश डोभाल के नाम पर प्रतिवर्ष होने वाले 'उमेश डोभाल स्मृति समारोह' में 2025 का उमेश डोभाल स्मृति सम्मान महावीर रवांल्टा, राजेन्द्र रावत राजू जनसरोकार सम्मान समीर शुक्ला, गिरीश तिवारी गिर्दा जनकवि सम्मान हर्ष काफर को दिया दिया गया। मीडिया पुरस्कार की श्रेणी में किशन जोशी को इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रेम पंचोली सोशल मीडिया को सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि गढ़रत्न नरेन्द्र सिंह नेगी थे। सांस्कृतिक जुलूस के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में नवांकुर नाट्य समूह द्वारा 'औरत' और दगड़िया समूह एवं महिला मंगल सिरोली द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर प्रदेश भर से मीडियाकर्मी मौजूद थे।

# रामगढ़ में विश्वभारती विवि परिसर बनाने का सपना दिखाकर मौन हुए सब

नैनीताल। रामगढ़ में विश्वभारती विश्व विद्यालय परिसर बनाने का सपना बिखरता दिख रहा है। असल में यहाँ लगातार आयोजनों के बाद जिस गति से कार्यवाही हुई, माना जा रहा था कि विश्वभारती का परिसर बनेगा और देश-दुनिया की नज़र होगी लेकिन भूमि हस्तान्तरण कारणों से मामला अटका हुआ है।

भूमि पौने तीन साल बाद भी रामगढ़ में विश्वभारती विश्वविद्यालय का परिसर नहीं बन पाया है। बताया जा रहा है कि तय सम में निर्माण कार्य की शर्त के तहत यदिमई तक पैसा जारी नहीं हुआ तो रामगढ़ में विश्वविद्यालय परिसर बनने का सपना अधूरा रहेगा।

शान्ति निकेतन ट्रस्ट फॉर हिमालय और पूर्व पूर्व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के प्रयासों से गुरुदेवी रवीन्द्रनाथ टैगोर की कर्मस्थली रहे रामगढ़ में पश्चिम बंगाल विश्वभारती विवि का परिसर रामगढ़ में बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। ट्रस्ट के अनुसार उत्तराखण्ड सरकार ने इसके लिये लगभग 54 एकड़ भूमि विवि को मई 2022 में हस्तान्तरित की थी। विवि ने पूर्व में परिसर निर्माण के लिये करीब 150 करोड़ रुपये की डीपीआर बनाकर भारत सरकार को भेजी। इसके बाद इसमें बदलाव करते हुए दूसरी डीपीआर 70 करोड़ रुपये की भेजी गई किन्तु केन्द्र सरकार की ओर से अब तक बजट स्वीकृत नहीं होने से इसका निर्माण शुरू नहीं हो पाया है।

ट्रस्ट के सचिव डॉ. अतुल जोशी ने बताया कि भूमि हस्तान्तरण के समय सरकार ने तीन साल के भीतर इसमें निर्माण करने की शर्त रखी। यदि इस बीच कोई निर्माण नहीं होता है तो भूमि सरकार को वापस जा सकती है।

## ज्योतिष की बातें- 223

7 अप्रैल 2025 को अभी तक पिछले 24 दिनों से मीन राशि में वक्री चल रहा बुध मार्गी हो जाएगा। अत: बुध से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल सभी जातकों को अब सामान्य रूप से प्राप्त होंगे।

13 अप्रैल 2025 को अभी तक पिछले 42 दिनों से मीन राशि में वक्री चल रहा शुक्र मार्गी हो जाएगा । अत: शुक्र से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल सभी जातकों को अब सामान्य रूप से प्राप्त होंगे ।

हनुमान जयन्ती- चैत्र शुक्ल पूर्णिमा सूर्योदयकालीन तिथि में हनुमान जयन्ती का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार शनिवार 12 अप्रैल 2025 को हनुमान जयन्ती का पर्व मनाया जाएगा।

इस 'ज्योतिष की बातें' नामक स्थायी स्तम्भ में ग्रहों का गोचरफल मन्त्रेश्वरकृत फलदीपिका नामक ग्रन्थ के आधार पर प्रस्तुत किया जाता है। यह स्थूलरूप से ही सही होता है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

## सम्यक् विचार- 114

### बुलडोजर न्याय

आजकल बुलडोजर नामक मशीन का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश से प्रारम्भ हुआ बुलडोजर का उपयोग अब पूरे देश में व्यापक रूप से होने लगा है। 20-25 मंजिल ऊँची जिन इमारतों को बनाने में चार-पाँच साल लग जाते हैं उसको एक दिन में या कुछ ही घण्टों में गिरा दिया जाता है। चार-पाँच सालों तक यह पता ही नहह्न चला कि वह अवैध है। बनने के पहले ही बताना चाहिए कि वह अवैध है। जिससे कि उसका निर्माण ही प्रारम्भ न हो। वैसे भी कोई भी व्यक्ति सरकार के कम्र विभागों से स्वीकृति लेने के बाद ही निर्माण प्रारम्भ करता है फिर वह अचानक अवैध कैसे हो जाती है। जो भवन अतिक्रमण में आ रहे हैं उनको भी पल भर में मशीन से गिरा दिया जाता है जो भवन पचासों वर्षों से बिना किसी परेशानी के खड़े थे, जिनमें लोग रह रहे थे, आसपास किसी को परेशानी नहीं थी, वाहनों के आवागमन में भी कोई बाधा नहीं थी, वह अचानक ही अवैध या अतिक्रमण में कैसे हो जाते हैं। यदि किसी व्यक्ति के कोई अपराध के कारण उसका घर गिरा दिया जाता है तो उस घर में रहने वाले माता-पिता, बच्चों, महिलाओं ने कौन सा अपराध किया था जिससे उनको भी सजा दे दी जाती है। किसी भी व्यक्ति को उसके पूर्वजों के अपराधों की सजा नहीं दी जा सकती। बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों को गिराकर सरकार कचरे का निर्माण भी कर रही है।

मेरे विचार से किसी भी भवन को बुलडोजर से गिराने की बजाय सरकार को उसका अधिग्रहण कर लेना चाहिए जिससे कि वह सरकारी कार्यों में उपयोग में आ सके और आवश्यकता पड़ने पर उस व्यक्ति पर हुए अन्याय को वापस भी किया जा सके। बुलडोजर न्याय को ही शास्त्रें पैशाची न्याय कहा गया है।

-ओंकार नाथ कोष्टा

# मल्ला जोहार विकास समिति ने जिलाधिकारी को समस्याओं से अवगत कराया

मुनस्यारी। जिलाधिकारी विनोद गिरी गोस्वामी को मल्ला जोहार विकास समिति ने समस्याओं से अवगत कराते हुए तत्काल निराकरण की मांग की। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह पांगती ने कहा कि एक ओर सरकार तीन साल पूरे होने का जश्न मना रही है दूसरी ओर सीमान्त क्षेत्र अपनी समस्याओं से जूझ रहा है। कहा सीमान्त क्षेत्र तो भारत-तिब्बत-चीन नेपाल सीमा से लगा है उपजिलाधिकारी विहीन है। कई बार मांग की जा चुकी है कि मुनस्यारी में एसडीएम तैनात किया जाए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्रिलोक सिंह पांगती राजकीय इण्टर कालेज में प्रधानाचार्य की नियुक्ति की जाए।

ज्ञापन देते हुए मांग की गई है कि मुनस्यारी बाजार क्षेत्र की सड़क में तक गड्ढे हैं। कई सालों से इसमें हाटमिक्स नहीं हुआ है। इसे सुधारा जाए। पेयजल समस्या का उल्लेख करते हुए अनुरोध किया गया है कि नई बस्ती, डोर चौड़ धार तहसील मुनस्यारी की पेयजल योजना जो जलनिगम के अन्तर्गत आती है, इस कार्य में अति विलम्ब हो रहा है। जल निगम के अन्तर्गत घर-घर जल योजना के अन्दर कार्य पूर्ण नहीं हुआ है। इस मामले में जाँच कमेटी बनाकर देखा जाए कि कितनी राशि स्वीकृत हुई है और कितना कार्य हुआ है।

सीमान्त क्षेत्र की समस्याएं गिनाते के साथ ही बोगडियार, रिलकोट, बिल्जू, मिलम में पुल निर्माण की मांग भी की है। इसी प्रकार पैदल सड़क बोगडियार से स्याम उडियार, लस्पागाड़ी से और रिलकोट से भी बनाने की मांग की है। इसके लिये लोनिवि को निर्देशित करने को कहा गया है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू का कहना है कि बलातीफार्म को लेकर कोरे सपने न दिखाए जाएं बल्कि इसे सुरक्षित करने के उपाय पर विचार हो। उल्लेखनीय है कि डीएम गोस्वामी प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर प्रवास के लिये पधारे थे और उन्होंने खलिया टॉप सहित प्रशंसा की। इस पर समिति ने उनका स्वागत के साथ ही समस्याएं बताईं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

## एवरेस्ट आरोहण के लिये दल रवाना

उत्तरकाशी। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान का चार सदस्यीय दल विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के आरोहण के लिये रवाना हो गया है। निम इस वर्ष अपनी स्थापना की 60वीं वर्षगांठ को डायमण्ड जुबली के रूप में मना रहा है। इस उपलक्ष्य में संस्थान ने गत वर्ष माउंट एवरेस्ट के आरोहण की योजना तैयार की थी।

## चिपको चेतना यात्रा रैंणी से शुरू

गोपेश्वर। चिपको आन्दोलन में अग्रीण भूमिका निभाने वाली गौरा देवी की याद में रैणी गांव के लोग शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। इसके अन्तर्गत रैंणी से चिपको चेतना यात्रा का शुभारम्भ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी ने किया। यह यात्रा जोशीमठ, गोपेश्वर, कर्णप्रयाग, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चम्पावत, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून होकर हरिद्वार पहुंचेगी।

## दूबड़ में घोटाले की जांच को आन्दोलन

चम्पावत। पाटी ब्लाक के दूबड़ बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति घोटाले की जांच की मांग को लेकर किसानों का आन्दोलन जारी है। एसआईटी से जांच की मांग को लेकर किसानों ने हरशी शर्मा उर्फ नरेन्द्र उत्तराखण्डी के नेतृत्व में आमरण अनशन शुरूकर दिया। आरोप है कि समिति में करीब 64 लाख की वित्तीय अनियमितता का मामला है।

## गोरखनाथ धाम विकास को दूसरी किस्त जारी

चम्पावत। गोरखनाथ धाम को विकसित करने की दिशा में सरकार ने दूसरी किश्त के रूप में 1.17 करोड़ रुपये अवमुक्त किये हैं। योजना के तहत 2.71 करोड़ रुपये प्रस्ताव के सापेक्ष अब तक 2.17 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। गोरखनाथ मन्दिर में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

## भारत-नेपाल सीमा पर बार्डर कैफे

पिथौरागढ़। भारत-नेपाल सीमा पर आदि कैलास, ओम पर्वत जैसे पर्यटन सथलों में पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए भारत नेपाल सीमा को भी पर्यटन की दृष्टि से आगे बढ़ाने की बात हो रही है और दोनों देशों के बीच बहने वाली काली नदी के किनारे बार्डर कैफे खुलने जा रहे हैं।

## हल्द्वानी में पार्कों का सौन्दर्यीकरण होगा

हल्द्वानी। नगर निगम शहर के डीके पार्क सहित आठ उद्यानों का सौन्दर्यीरण कराने जा रहा है। इसके लिये निगम प्रशासन के पास 531.42 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध है। निगम की बैठक में प्रस्ताव होने के बाद इस दिशा में कार्य होने लगा है। बताते चलें कि डीके पार्क सहित शहर के पुराने उद्यान देखरेख की कमी से गड़बड़ाने लग रहे थे।

# पांखू में तीन दिवसीय पुंगराऊ महोत्सव में झोड़ा-चांचरी की धूम मची

थल/बेरीनाग। पांखू में तीन दिवसीय पुंगराऊ महोत्सव में झोड़ा-चांचरी की धूम मची रही। क्षेत्रवासियों की जागरूकता और युवाओं के जोश ने भले ही इसे आजकल के महोत्सव का आकार दिया था लेकिन लोक संस्कृति की धुरी में यह आयोजन हुआ। सबसे भली बात यही रही कि अपनी संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियों में लोकरंग देखने को मिले। पांखू और इससे लगे क्षेत्र झोड़ा-चांचरी के लिये पहले से जाने जाते हैं।

रामलीला मैदान में हुए आयोजन का शुभारम्भ विधायक फकीर राम टम्टा, बलवन्त सिंह भौरियाल ने किया। सांसद अजय टम्टा आयोजन में वर्चुअल जुड़े और एक लाख रुपये देने की घोषणा की। विधायक फकीरराम ने भी आयोजन समिति की सराहना करते हुए एक लाख रुपये की घोषणा की। यहां स्थानीय स्कूलों ने प्रस्तुतियां दीं। आयोजन में समिति के अध्यक्ष हरीश सिंह कार्की, उमेद सिंह कार्की, पुष्कर सिंह, केशर सिंह महरा, पंकज सिंह महरा, दिनेश आर्या, दीपक कार्की, देवराज रौतेला आदि थे।

# एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आ रहे भवनों के ध्वस्तीकरण के निर्देश

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने पन्तनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण कार्य शीघ्रता से कराने के लिये एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आ रहे कार्यालय, भवनों को सम्बन्धित विभाग को तुरन्त ध्वस्त करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने महाप्रबन्धक टीडीएस को तुरन्त टीडीएस कार्यालय शिफ्ट करने के निर्देश दिये। डीएम ने यह निर्देश कैम्प कार्यालय में आयोयजित बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि पन्तनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिये आवंटित भूमि में अगली कोई फसल भी नहीं लगनी चाहिये। पीडी एनएचआई को निर्देश दिये कि वे भेजी गई डीपीआर को उच्च अधिकारियों से वार्ता कर स्वीकृति के लिये कार्रवाई करवाएं। डीएम ने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को चार दिन में विद्युत लाइन शिफ्टिंग प्रस्ताव व आंगणन प्रस्तुत करने को कहा। सरकारी भूमि पर पेड़ कटान के लिये भी कहा।

# डीडीहाट में बनेगा पहला नक्षत्र भवन

डीडीहाट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में प्रदेश का पहला नक्षत्र भवन बनने जा रहा है। बताया गया है कि इसके लिये 1.5 करोड़ रुपये का बजट जारी हो चुका है।

डायट के प्राचार्य भास्करानन्द पाण्डे ने बताया है कि अब तक जयपुर, दिल्ली और प्रयागराज में ही नक्षत्र भवन हैं। इसका लाभ सीमान्त के साथ ही प्रदेश के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को मिलेगा। डीडीहाट में बनने जा रहे नक्षत्र भवन का डिजायन जारी हो चुका है। इसके बनने के बाद ब्रह्माण्ड का अनुभव मिलेगा। ब्रह्माण्ड के पिण्डों की जानकारी इसमें दी जोयगी। विद्यार्थी ब्रह्माण्ड, तारों, के साथ ही खगोलीय घटनाओं से जुड़ी रहस्यमयी दुनिया की हर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे खगोलीय विज्ञान की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

## परिक्रमा

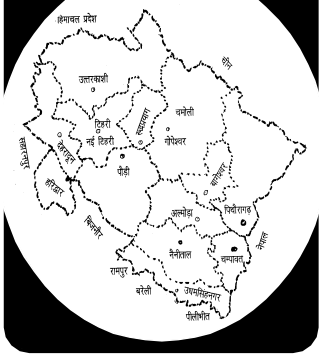


# खदानों की विस्तृत जांच के निर्देश

नैनीताल/बागेश्वर। हाईकोर्ट ने काण्डा तहसील के कई गांवों सहित पूरे बागेश्वर जिले में अवैध खड़िया खनन से मकानों में आयी दरारों के मामले में स्वत: संज्ञान लेते जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी.नरेन्द्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खण्डपीठ ने कोर्ट की राके के बाद वहां की खड़िया खदानों में खनन सामग्री के स्टाक का पूरा विवरण तलब किया है। कोर्ट ने खनन अधिकारी को खदानों की विस्तृत जांच करने तथा पुलिस अधीक्षक को कोर्ट के आदेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने खड़िया खनन पर रोक बरकार रखते हुए मामले में सुनवाई आगे बढ़ा दी। सुनवाई के दौरान खान अधिकारी को भित्ती क्षेत्र का निरीक्षण करने और खदानों में स्टाक की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। इस दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि विशेषज्ञ समिति के चैयरमैन पद से अनिल कुमार को हटाते हुए संयुक्त निदेशक जीडी प्रसाद को चैयरमैन नियुक्त किया गया है। कोर्ट में संयुक्त निदेशक ने 12 खदानों में जांच की बात कही।

# चांदनी पर्यटन जोन के खिलाफ प्रदर्शन

रामनगर। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के कार्यालय में सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए घेराव किया। ग्राम छोई में स्थित चांदनी में खोले जा रहे सफारी पर्यटन जोन के विरोध में ग्रामीण लगातार आन्दोलन कर रहे हैं। महापंचायत कर ग्रामीणों ने इस जोन के खिलाफ वन विभाग के अधिकारी और सरकार को चेताया है। आन्दोलनकारियों का कहना है कि इस नए पर्यटन जोन से ग्रामीणों को काफी नुकसान होगा। साथ ही क्षेत्र में वन्य जीवों का आतंक बढ़ेगा। उन्होंने वन विभाग व सरकार से इस जोन को शीघ्र रद्द करने की मांग की है। पूर्व ब्लक प्रमुख संजय नेगी, पूर्व प्रधान नवीन भट्ट, पालिका चैयरमैन हाजी मो.अकरम, सभासद तनुज दुर्गापाल, सचिन कुमार सहित बड़ी संख्या में प्रतिनिधि व जनता के प्रदर्शन को देखते हुए लग रहा है कि चांदनी जोन मामले पर विभाग को निर्णय लेना ही होगा।

# चम्पावत में कैम्पस हटाओ आन्दोलन

चम्पावत। सोबन सिंह जीना विश्व विद्यालय के आनन-फानन में घोषित कैम्पस चम्पावत को हटाने का आन्दोलन जोर पकड़ चुका है। छात्र नेताओं का कहना है कि कैम्पस हटाओ, कालेज लाओ जरूरी है। क्योंकि विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य में पूरा नहीं है। एनएसयू आई से जुड़े छात्रों ने कुलपति और परीक्षा नियंत्रक का पुतला फूंकते हुए कहा कि कैम्पस घोषित किये गये चम्पावत का झुनझुना थमा दिया गया है। छात्रों का कहना है कि राजकीय डिग्री कालेज से एसएसजे कॅम्पस बनने के बाद सिर्फ शुल्क बढ़ा है, सुविधाएं नहीं। कीं कि हर सेमेस्टर में शुल्क लिया जा रहा है जबकि पहले एक-एक सेमेस्टर छोड़ कर शुल्क लिया जाता था। कालेज में एक भी नई पुस्तक नहीं आई है। विरोध करने वालों में छात्र संघ अध्यक्ष मुकेश महर, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पारस महर, विकास चौधरी, दीपक भट्ट, शामिल हैं।

बताते चलें कि कैम्पस घोषणा के बाद से चम्पावत कालेज लचर बना हुआ है।

## नैनीताल में कब्जेदारों को पालिका का नोटिस

नैनीताल। सेवानिवृत्त नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा सरकारी आवास पर कब्जे को छुड़ाने के लिये पालिका द्वारा नोटिस दिया गया है। बताया गया है कि 75 कर्मचारी अभी भी कब्जा कर आवास में रह रहे हैं, जिससे पालिका को 3.5 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। वित्तीय बोझ को देखते हुए नगर पालिका एक्सन में है।

## नाबीढांग में मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

पिथौरागढ़। कैलास मानसरोवर यात्रा के लिये जिस प्रकार की तैयारियां इस बार सुनाई दे रही हैं उसके हिसाब से तो ज्योलिंगांग व नाबीढांग में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। यात्रा पड़ावों पर पुराने हट्स और भवनों को सुसज्जित करने के साथ ही 14 हजार फीट की ऊंचाई पर चार नए हट्स बनाने की तैयारी है। कोरोना काल के बाद इस वर्ष यात्रा की उम्मीदों से हो रही तैयारियों में नाबीढांग व ज्योलिंकांग में दो-दो नए हट्स बनाए जा रहे हैं।

## लीज समाप्ति पर सम्पत्ति पर कब्जा

नैनीताल। शहर की समस्याओं के निस्तारण के लिये पालिका बोर्ड की बैठक में तय किया गया कि जिस सम्पत्ति की लीज समाप्त हो गई है उन्हें पालिका अपने कब्जे में लेगी और आगे की कार्यवाई की जायेगी। बैठक में सौ नए कर्मियों की नियुक्ति की मांग भी उठी। तय हुआ कि नगर पालिका में तैनात कर्मियों को जंगलों की सफाई कार्य से हटाए जाने को लेकर नगर पालिका वन विभाग को पत्र लिखेगा।

## रामगढ़ में कोल्ड स्टोरज निर्माण हो

भीमताल। फल पट्टी क्षेत्र रामगढ़, धारी भीमताल, ओखलकाण्डा में कोई कोल्ड स्टोरेजन और मण्डी नहीं है। काश्तकारों ने एक बार फिर से रामगढ़ में कोल्ड स्टोरेज और मण्डी की मांग की है। यहां काश्तकार अपने खेतों में उत्पादित होने वाले फल के दामों को लेकर चिन्तित हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'सिद्धार्थी' नाम नवम्वत्सर,
विक्रमी 2082
सुख-शान्ति-उल्लास
भरा हो
इसी
कामना के साथ-

# तृप्ति जंगपांगी

## सुपुत्री स्व.लक्ष्मण सिंह जंगपांगी
## डा.( श्रीमती ) उषा जंगपांगी

Enjoy Beauty of
Himalaya at
**MARTOLIA LODGE**
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
**होटल लक्ष्य इन**
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत सम्पर्क 7351285555

**कपूर एण्ड संस**
संजय कलोनी, मुखानी हल्द्वानी
**कपूर इण्टरप्राईजेज**
निकट मंगलम बैंकट हॉल, देवलचौड़
रामपुर रोड, कैंची धाम मार्ग हल्द्वानी
9997712279 9837824462

**जंगपांगी जनरल स्टोर**
मदकोट रोड,
दरांती मनुस्यारी
( सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान )
मो.- 9760342346

**होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर**
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क-
05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स


## लगातार चर्चा में हैं त्रिवेन्द्र रावत

देहरादून/हरिद्वार। पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सीट से सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में लगातार चर्चा में हैं। नगर पंचायतों के चुनाव में टिकट बंटवारे पर उनके दबदबे, निवर्तमान मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल मामले में बयान, स्टिंग प्रकरण पर बयान के अलावा सचिव खनन पर दिये गये बयान से वह चर्चा में हैं। उन्होंने प्रदेश में अवैध खनन का मुद्दा उठाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। तरह-तरह की चर्चाओं के बीच यह भी कहा जा रहा है कि त्रिवेन्द्र की पकड़ केन्द्र में खासी है और वह प्रदेश की राजनीति में उलट चाहते हैं।

## पूर्णागिरी मेले में उमड़ रहे हैं श्रद्धालु

टनकपुर। उत्तर भारत के प्रसिद्ध पूर्णागिरी मेले में लगातार श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। रेल, बस, निजी वाहनों के अलावा पैदल यात्री जत्थों का दिन-रात आना लगा हुआ है। खटीमा, चकरपुर, बनबसा होते हुए टनकपुर से पूर्णागिरी जाने वाले यात्री शारदा घाट, बूम घाट के दर्शन भी कर रहे हैं। पड़ोसी देश नेपाल में सिद्धबाबा मन्दिर के दर्शन के लिये भी तांता लगा हुआ है।

## ऐतिहाहिसक चैती मेले की रौनक

काशीपुर। उत्तर भारत का ऐतिहासिक चैती मेले की रौनक बनी हुई है। धार्मिक अनुष्ठान के साथ शुरू हुए मेले का उद्घाटन सांसद अजय भट्ट ने किया। चैती मेला मैदान स्थित माँ बाला सुन्दरी देवी मन्दिर में डोले के पहुँचने के साथ ही श्रद्धालु उमड़ पड़े हैं। बताते चलें कि इस चैती मेले की पहचान पूरे उत्तर भारत में है और इन दिनों में दूर-दूर से लोग मन्दिर में मत्था टेकने आते हैं। भीड़ देखते हुए मेला मजिस्ट्रेट व प्रशासन मुस्तैद है।

## केदारनाथ में रात्रि प्रवास के इन्तजाम

रुद्रप्रयाग। आगामी 2 मई से शुरू हो रही केदारनाथ यात्रा में रात्रि प्रवास के बड़े इन्तजाम किये जा रहे हैं। धाम में एक रात में अधिकतम 15000 श्रद्धालु प्रवास कर सकेंगे। इसके अलावा पैदल मार्ग के पड़ावों पर दो हजार यात्रियों के प्रवास का इन्तजाम किया जा रहा है। इस वर्ष गढ़वाल मण्डल विकास निगम को यात्रियों के प्रवास और भोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

## हाटकालिका और कोटगाड़ी में भीड़

गंगोलीहाट/बेरीनाग। नवसम्वत्सर से हाट कालिका और पांखू स्थित कोटगाड़ी दरबार में अपार भीड़ जुटी हुई है। पातालभुवनेश्वर आने वाले यात्रियों की संख्या भी निरन्तर बढ़ती जा रही है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

# उत्तमसिंह जंगपांगी स्मृति शतरंज एवं हरीश सिंह बृजवाल स्मृति कैरम प्रतियोगिता

हल्द्वानी। जोहार मिलन केन्द्र में आयोजित स्व. उत्तम सिंह जंगपागी स्मृति शतरंज एवं स्व. हरीश सिंह बृजवाल स्मृति कैरम प्रतियोगिता वर्ष 2025 का आयोजन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता मे 15 खिलाड़ियों नें प्रतिभाग किया जिसमें युवा से लेकर सुपर सिटीजन ने भाग लिया। जिसके परिणाम निम्नवत हैं-

1-विजेता देवेन्द्र कुमार
2-उपविजेता अनिल बोकटी
3- वरिष्ठ खिलाड़ी खड़क सिंह जंगपाँगी
4- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ध्रुव सिंह पांगती
डॉ. मयंक सिँह पांगती
5- उदीमान खिलाड़ी मानव धर्मशक्तू पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह (मानव मात्र 11वर्ष के लेकिन उनके खेल से सभी प्रभावित किया।

कैरम प्रतियोगिता जूनियर वर्ग एकल श्रेणी इस वर्ग मे 18 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया था। परिणाम इस प्रकार हैं-

1- विजेता खुशाल लसह मर्तोलिया
2-उपविजेता ईश्वर लसह पांगती
3-सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अतुल जंगपांगी
जूनियर वर्ग युगल श्रेणी वर्ग मे 8 टीमों नें प्रतिभाग किया
1- विजेता खुशाल सिंह मर्तोलिया डॉ. बृजेश रावत
2- उपविजेता किशोर पांगती(कन्नू ) /ईश्वर सिंह पांगती
3-सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मनीष पांगती
सीनियर वर्ग एकल श्रेणी वर्ग मे 20 खिलाड़ियों द्वारा नें प्रतिभाग किया।
1- विजेता- डॉ. प्रहलाद सिंह मर्तोलिया
2- उपविजेता- भूपेन्द्र सिंह पांगती
3-वरिष्ठ खिलाड़ी- दीवान सिंह धर्मशक्तू
4-सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कुन्दन सिंह पांगती
सीनियर वर्ग युगल श्रेणी वर्ग में 10 टीमों ने प्रतिभाग किया।
1- विजेता- भूपेन्द्र सिंह पांगती- डा. प्रहलाद सिंह मर्तोलिया
2-उपविजेता- सुरेंद्र सिंह टोलिया- खड़क सिंह पांगती
3- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी- प्रहलाद सिंह बरफाल

सभी खेल प्रतियोगिता को सफल बनाने इन सभी खिलाड़ी जिन्होंने इस खेल मे प्रतिभाग किया एवं सभी निर्णायक मण्डल द्वारा दिये सहयोग के लिए जोहार मिलन केन्द्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी प्रकार जोहार टेबल टेनिस टूर्नामेंट का रोमांचक आयोजन किया गया। समस्त विजेता उप-विजेताओं को पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम (होली पूजा मिलन समारोह) में सम्मानित किया गया। आयोजन स्थल फतेहपुर फारेस्ट गेस्ट हाउस मे हुआ। विजेता/ उप-विजेताओं की सूची निम्न प्रकार है-

बालक एवं बालिका 15 वर्ष तक
- विजेता गौरवेन्द्र सिंह टोलिया
-उप-विजेता रेयांश लसह लस्पाल
बालिका वर्ग 19 वर्ष तक
- विजेता हर्षिता टोलिया
-उप-विजेता इकाशा रावत
मिक्स डबल के विजेता डॉ. बृजेश रावत/इकाशा रावत
- उपविजेता दीनदयाल पांगती/कृतिका रावत
ओपन वर्ग (आयु सीमा नहीं)
- विजेता रोहिताश जंगपांगी
- उप-विजेता डॉ. बृजेश रावत
डबल ओपन वर्ग
-विजेता हिमांशु धर्मशक्तू/विनीत जंगपांगी
-उप-विजेता डा.बृजेश रावत/ दीनदयाल पांगती
एकल पुरुष 40 वर्ष + से 50 वर्ष तक
- विजेता रोहिताश जंगपांगी
- उप-विजेता हिमांशु धर्मशक्तू
डबल पुरुष 40 वर्ष + से 50 वर्ष तक
- विजेता रोहिताश जंगपांगी/धीरेन्द्र धर्मशक्तू
- उप-विजेता नरेन्द्र सिंह जंगपांगी/डा. बृजेश रावत
एकल पुरुष 50 वर्ष+ से 60 वर्ष तक
- विजेता धीरेन्द्र सिंह बृजवाल
- उप-विजेता अनिल सिंह पांगती
डबल पुरुष 50 वर्ष + से 60 वर्ष तक
- विजेता ललित मोहन पांगती/डा. दिनेश मार्तोलिया, उप-विजेता ईश्वर सिंह पांगती/हरीश लस्पाल
एकल पुरुष 60 वर्ष+ से 70 वर्ष तक के विजेता पूरन सिंह जंगपांगी, उप-विजेता लक्ष्मण सिंह टोलिया (किरन)
डबल पुरुष 60 वर्ष+ से 70 वर्ष तक
- विजेता उदय सिंह टोलिया/ देव सिंह रावत
- उप-विजेता केदार पांगती/खड़क सिंह पांगती
एकल पुरुष 70 वर्ष प्लस से 80 वर्ष
- विजेता गोपाल सिंह मार्तोलिया
- उप-विजेता डा. मंगल सिंह मार्तोलिया
डबल पुरुष 70 वर्ष प्लस से 80 वर्ष
- विजेता भूपेन्द्र सिंह पांगती/गोपाल सिंह मार्तोलिया
- उप-विजेता डा. मंगल सिंह मार्तोलिया/ पुरमल सिंह मार्तोलिया।


न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148


'सिद्धार्थी' नाम नवम्वत्सर, विक्रमी 2082
की
हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

# हरेन्द्र सिंह पांगती

अपर जिला सहकारी अधिकारी
सहकारिता विभाग
बुलन्दशहर
(यू.पी.)


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com


Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)